# द्वारकेश हींग गोली

INGREDIENTS:-

**FERULA FOETIDFA :- हींग** :– हींग से आमाशय एवं आंत की माशपेशिया उत्तेजित होती है और शौच शुद्धि होती है। यह दीपन , पाचन, वातहर नाशक है। इसको चूर्ण मे मिलाने से अजीर्ण रोग, अपचन , मंदाग्नी , हैजा , पतली दस्त, आफरा आदि दोषो को दूर कर पांचन क्रिया को सुधारता है। इनका उपयोग आयुर्वेद मे प्राचीन काल से होता है। भोजन के साथ भी इसका प्रयोग प्रतिदिन होता है। कब्ज के पुराने रोगी के लिए हींग का सेवन लाभ दायक है।

**PIPER LONGUM:- पीपल** :– अग्नीवर्धक ( भूख लगाना ) गैस दूर करना, थोडा भोजन करने पर भी अमाशय मे दीर्धकाल तक पडा रहना , मुंह मे मीठापन एंव चीप चीपापन बना रहना , पेट मे भारी पन, खटटी डकार आना आदि रोग दूर करने में अति लाभ दायक है।

**CARUM COPTIUM :- अजवायन** :– आफरा, पेचितस, अपचन एंव अतिसार को दूर करने मे उत्तम ओषधी है। उबाकी आना, भूख नही लगना, कब्ज रहना, पेट मे भारी पन आदि को दूर करने मे उपयोगी । इसे एक आवश्यक ओषधी माना गया है। प्रसुता को अजवायन खिलाने से पाचन क्रिया बलवान होती है। वायु का प्रकोप भी नही होता है।

**CUMINUM CYMINUM :- जीरा** :– जीरा का प्रयोग भारतवर्ष मे मसाला और ओषधी रूप मे दीघ्रकाल से हो रहा है। लीवर एंव आंतो मे पाचन क्रिया को सुधार कर उन्हें बल देता है।

**ZINGIBAR NIGRUM: - सोंठ** :– अदरक / सोंठ का उपयोग भारत मे सर्वत्र भोजन मे होता है। यह पाचक एंव रूचिवर्धक होने से पाचन शक्ति बढाने मे सहायता करती है।

**PIPER NIGRUM :- काली मीर्च** :– आयुर्वेद मे अति प्राचीन काल से ओषधी एवम् मशालो मे इसका उपयोग होता है। इसके सेवन से आफरा, अपचन, पेट दर्द , भूख नही लगना, दस्त साफ नही आना आदि रोग दूर करने मे सहायक है।

**CORIANDRUM SATIVUM:- धनिया** :– धनिया का उपयोग भारतवर्ष मे भोजन मे एंव ओषध रूप में हो रहा है। भूख लगाना, खट्टी डकार दूर करना, पेट मे भारीपन दूर करना आदि अनेक रोगो मे उपयोगी है।

**PHYLLANTHUS EMBLICA :- आंवला** :– आंवला भारत मे सर्वत्र होता है। इसे कई रोगों मे उपयोगी होने के कारण अम्त फल उपनाम दिया गया है। यह दीपन, पाचन, पित्त शामक , मूत्र जनन, रूचिकर, बल्य, पौष्टिक, कांतिवर्धक, त्वचारोग नाशक और बाजीकर है। अरूत्रि, अग्निमांध और मलावरोध दूर हो जाता है। भूख बढाता है एंव मन प्रसन्न रहता है। इसका ओषधी के अतिरिक्त अचार, चटनी और शाक मे भी आंवले का उपयोग होता आ रहा है। आंवलो के सेवन से मनावरोध एंव रक्त विकार की उत्पत्ति नही होती है।

उक्त सभी घटक द्रव्य ( मसाले ) कम्पनी में ही / निर्माणशाला मे उत्तम क्वालीटी के, अच्छी तरह से साफ कर द्वारकेश हींगपेड़ा मे डाले गये है। यह उच्च तकनीक एंव शुद्ध वातावरण में , गत 20 वर्ष से अनुभवी व्यक्ति की देख रेख मे खास आपके लिए बनाए गए है।

द्वारकेश हींग गोली आपके पेट दर्द को रोकने मे, मूंह को साफ करने मे , दस्त साफ लाने मे, गैस दूर करने मे, पेट मे भारी पन लगता है उसे कम करने मे, आफरा अर्जीण, उबाकी आना , पाचन क्रिया को बलवान बनाना आदि मे अत्यन्त लाभकारी ओषधी है। द्वारकेश हींग गोली की छोटी डिबिया जेब मे रखे , जब भी जी चाहे दो से चार गोली चुसे , तबीयत खुश ।